प्रगति: प्रौद्योगिकी और जवाबदेही के माध्यम से शासन का पुनर्गठन

यूपीएससी जीएस प्रासंगिकता

- **सामान्य अध्ययन II:** शासन, ई-गवर्नेंस, सहकारी संघवाद
- **सामान्य अध्ययन III:** बुनियादी ढांचा, सार्वजनिक निवेश, परियोजना कार्यान्वयन

चर्चा में क्यों

हाल ही में, प्रगति (सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन) की 50वीं बैठक आयोजित की गई, जो रुकी हुई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने और केंद्र-राज्य समन्वय में सुधार लाने में इस मंच की भूमिका को रेखांकित करती है। पिछले कुछ वर्षों में, प्रगति प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक प्रमुख शासन सुधार उपकरण के रूप में उभरी है।

पृष्ठभूमि: प्रगति क्या है?

प्रगति एक आईसीटी-सक्षम, बहु-स्तरीय शासन मंच है जो प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों को निम्नलिखित से संबंधित मुद्दों की समीक्षा और समाधान के लिए एक साथ लाता है:

- प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं
- सरकार की प्रमुख योजनाएं
- सार्वजनिक शिकायतें 2015 में शुरू की गई प्रगति का उद्देश्य समय पर निर्णय लेना, अंतर-मंत्रालयी समन्वय और परिणाम-आधारित शासन सुनिश्चित करना है।

प्रगति की आवश्यकता क्यों थी? (पृष्ठभूमि)

भारत लंबे समय से इनसे संघर्ष कर रहा था:

- परियोजना में देरी
- लागत में वृद्धि
- अंतर-विभागीय तालमेल की कमी
- कमजोर जवाबदेही तंत्र राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण कई परियोजनाएं दशकों तक अटकी रहीं क्योंकि:
- कई स्वीकृतियों की आवश्यकता थी

- केंद्र-राज्य समन्वय की विफलताएं थीं
- विवादों को सुलझाने के लिए किसी एकल प्राधिकरण की अनुपस्थिति थी प्रगति को रुकी हुई परियोजनाओं को सीधे प्रधानमंत्री की निगरानी में रखकर इस प्रशासनिक जड़ता को तोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

प्रगति की मुख्य विशेषताएं

1. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में समीक्षा

- व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री द्वारा अध्यक्षता की जाती है
- मुख्य सचिवों और केंद्रीय सचिवों की भागीदारी होती है
- शीर्ष स्तर की जवाबदेही बनाता है

2. प्रौद्योगिकी संचालित मंच प्रगति एकीकृत करती है:

- डिजिटल डैशबोर्ड
- जीआईएस (GIS) आधारित विज़ुअलाइज़ेशन
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग यह रीयल-टाइम निगरानी, साइट-स्तरीय मूल्यांकन और डेटा-आधारित निर्णयों को सक्षम बनाता है।

3. समस्या समाधान तंत्र

- मुद्दों की स्पष्ट पहचान की जाती है
- जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं
- समय सीमा तय की जाती है
- पीएमओ द्वारा फॉलो-अप की निगरानी की जाती है प्रगति केवल चर्चा पर नहीं, बल्कि समाधान पर ध्यान केंद्रित करती है।

प्रदर्शन और परिणाम

प्रगति की प्रभावशीलता इसके परिणामों में झलकती है:

- ₹85 लाख करोड़ की परियोजनाओं में तेजी लाई गई
- 382 प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई
- 3,187 मुद्दों की पहचान की गई
- 2,958 मुद्दों का समाधान किया गया (90% से अधिक) सुलझाई गई उल्लेखनीय परियोजनाओं में शामिल हैं:
- बोगीबील ब्रिज (असम)
- उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक

IAS-PCS Institute Result Mitra रिजल्ट का साथी

- राज्यों में एम्स (AIIMS) परियोजनाएं
- रुकी हुई बिजली और राजमार्ग परियोजनाएं

सहकारी संघवाद के मॉडल के रूप में प्रगति

प्रगति सहकारी संघवाद को क्रियान्वित करती है:

केंद्र और राज्यों को एक मंच पर लाकर

- संयुक्त समस्या समाधान को प्रोत्साहित करके
- दोषारोपण को कम करके
- परिणामों के साझा स्वामित्व को बढ़ावा देकर यह शासन के प्रति "टीम इंडिया" दृष्टिकोण के अनुरूप है।

स्वागत (SWAGAT) से प्रगति (PRAGATI) तक का विकास

प्रगति 2003 में गुजरात में शुरू की गई शिकायत निवारण प्रणाली 'स्वागत' से प्रेरणा लेती है।

स्वागत: नागरिक शिकायतें | राज्य स्तर | मुख्यमंत्री के नेतृत्व में **प्रगति:** राष्ट्रीय परियोजनाएं और योजनाएं | राष्ट्रीय स्तर | प्रधानमंत्री के नेतृत्व में

प्रगति स्वागत के अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाती है।

प्रगति के पीछे शासन दर्शन

IAS-PCS Ins
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

प्रगति एक बदलाव को दर्शाती है:

- फाइल-आधारित शासन ⟶ डेटा-संचालित शासन
- प्रक्रिया उन्मुखीकरण ⟶ परिणाम उन्मुखीकरण
- बिखरी हुई जिम्मेदारी ⟶ व्यक्तिगत जवाबदेही यह साकार करती है:
- न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन
- साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण
- परिणाम-उन्मुख प्रशासन

वैश्विक मान्यता

प्रगति को ऑक्सफोर्ड सैद बिजनेस स्कूल द्वारा इस रूप में मान्यता दी गई है:

- लोक प्रशासन में एक वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यास (Best Practice)
- एक "सत्य का एकल स्रोत" (Single source of truth) शासन मॉडल यह भारत के शासन सुधारों को वैश्विक तुलनात्मक संदर्भ में रखता है।

बहु-आयामी प्रभाव

IAS-PCS Institute

आर्थिक प्रभाव:

- परियोजनाओं का तेजी से पूरा होना
- लागत वृद्धि में कमी
- निवेशकों के विश्वास में सुधार **सामाजिक प्रभाव:**
- सार्वजनिक सेवाओं की शीघ्र उपलब्धता
- स्वास्थ्य, परिवहन और ऊर्जा तक बेहतर पहुंच **पर्यावरण प्रभाव:**
- जीआईएस-आधारित योजना पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करती है
- पर्यावरणीय चिंताओं का बेहतर एकीकरण **प्रशासनिक प्रभाव:**
- पारदर्शिता
- जवाबदेही
- कार्य पूरा करने की संस्कृति (Culture of delivery)

Result Mitra
रिजल्ट का साथी

चुनौतियां और सीमाएं

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

अपनी सफलता के बावजूद, प्रगति को कुछ चिंताओं का सामना करना पड़ता है:

- निर्णय लेने के अति-केंद्रीकरण का जोखिम
- ऊपर से नीचे (Top-down) निगरानी पर निर्भरता
- जिला-स्तरीय शासन के साथ सीमित एकीकरण
- मजबूत राजनीतिक नेतृत्व से परे निरंतरता

आगे की राह

प्रगति को और मजबूत करने के लिए:

- जिला और स्थानीय शासन परतों को एकीकृत करें

- प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली समीक्षाओं से परे सर्वोत्तम प्रथाओं को संस्थागत बनाएं
- शुरुआती जोखिम का पता लगाने के लिए एआई (AI) और भविष्य कहने वाले विश्लेषण का उपयोग करें
- प्रगति के परिणामों को अधिकारियों के प्रदर्शन मूल्यांकन से जोड़ें

निष्कर्ष

प्रगति भारतीय शासन में एक परिवर्तनकारी बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। प्रौद्योगिकी, राजनीतिक नेतृत्व और प्रशासनिक जवाबदेही को जोड़कर, यह परियोजना कार्यान्वयन में लंबे समय से चली आ रही संरचनात्मक अक्षमताओं को दूर करती है। जैसे-जैसे भारत महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचे और विकास लक्ष्यों का पीछा कर रहा है, प्रगति एक भविष्य के लिए तैयार शासन मॉडल के रूप में उभरती है—कुशल, पारदर्शी और परिणाम-प्रेरित।

प्रिलिम्स प्रैक्टिस प्रश्न

प्रश्न 1: प्रगति (Pro-Active Governance and Timely Implementation) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और सार्वजनिक शिकायतों की निगरानी के लिए एक ICT-सक्षम मंच है।
2. इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और इसमें केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों दोनों की भागीदारी होती है।
3. यह मुख्य रूप से नीति निर्माण पर केंद्रित है, परियोजना कार्यान्वयन और मुद्दों के समाधान पर नहीं।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं?

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 3

D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: A

प्रश्न 2: प्रगति मंच मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस शासन विशेषता से जुड़ा है?

A. विकेंद्रीकृत स्थानीय स्वशासन निर्णय-निर्माण

B. परिणाम-आधारित निगरानी और अंतर-मंत्रालयी समन्वय

C. कार्यकारी कार्रवाई पर न्यायिक निगरानी

D. बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर संसदीय नियंत्रण

सही उत्तर: B

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

प्रश्न 3: निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार करें:

पहल	**मुख्य फोकस**
1. स्वागत (SWAGAT)	नागरिक शिकायत निवारण
2. प्रगति (PRAGATI)	राष्ट्रीय परियोजनाओं की निगरानी और तेजी
3. मिशन मोड प्रोजेक्ट्स	पीएम-नेतृत्व वाला डिजिटल गवर्नेंस प्लेटफ़ॉर्म

उपरोक्त में से कौन सी जोड़ियाँ सही हैं?

A. केवल 1 और 2

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1

D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: A

मेन्स प्रैक्टिस प्रश्न

प्रश्न: "प्रगति प्रक्रिया-उन्मुख प्रशासन से परिणाम-आधारित शासन की ओर बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है।" भारत के बुनियादी ढांचा और शासन सुधारों के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या करें। (150 शब्द)

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिज़ल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806